Unit 2. स्तन विकारों का नर्सिंग प्रबंधन

(Nursing Management of Breast Disorders)

Q.स्तन कैंसर क्या है?

स्तन कैंसर के कारण क्या हैं?

स्तन कैंसर के चिन्ह, लक्षण व उपचार लिखिए।

What is breast cancer?

What are the causes of breast cancer?

Write down the sign and symptoms and treatment of breast cancer.

उत्तर- स्तन कैंसर (Breast Cancer) -

यह एक असामान्य स्थिति है जिसमें स्तन ऊतकों में कैंसर विकसित हो जाता है।

जब स्तनों की कोशिकाएँ असामान्य एवं अनियंत्रित विभाजित होकर नई कोशिकाओं की गांठ बनाती हैं तो इसे स्तन कैंसर कहते हैं।

(Breast cancer is defined as malignant growth of breast tissue).

This is an uncommon condition in which cancer develops in the breast tissues.

When breast cells divide abnormally and uncontrollably and form lumps of new cells, it is called breast cancer. (Breast cancer is defined as malignant growth of breast tissue)

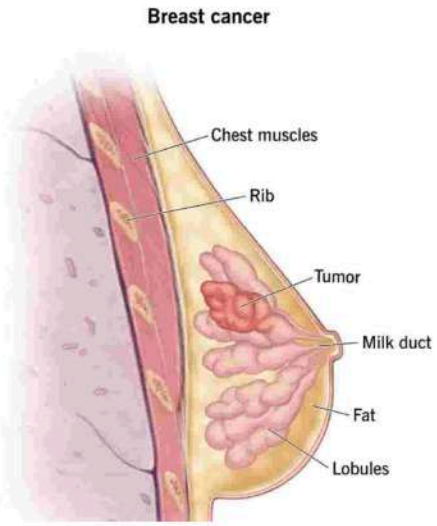

nursingyan.com

स्तन कैंसर के कारण (Causes of Breast Cancer) -

स्तन कैंसर के कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित होते हैं-

Following are some of the main causes of breast cancer-

• मासिक धर्म कम आयु में आरंभ एवं अधिक आयु में बंद होना

(Early menarche and late menopause)

• विकिरणों से संपर्क (Radiation exposure)

• हार्मोनल औषधियाँ लेना (Hormonal therapy)

•अधिक तैलीय भोजन (Highly oily food)

• मोटापा (Obesity)

• उच्च रक्तचाप (Hypertension)

• मद्यपान (Alcoholism)

• धूम्रपान (Smoking)

• स्तनपान नहीं कराना (Avoiding of breast feeding))

• बार-बार संक्रमण होना (Recurrent mastitis)

• स्तन में सामान्य गांठ होना (Previous or prior breast lump)

• गर्भाशयी एवं अंडाशय कैंसर (Endometerial and ovarian cancer)

• स्तन में चोट लगना (Breast trauma)

लक्षण (Sign and Symptoms) -

स्तन कैंसर में निम्न लक्षण प्रकट होते हैं-

The following symptoms appear in breast cancer-

•स्तन में सूजन (Edema in breast)

nursingyan.com

• स्तन में गांठ होना (Lump in breast)

• स्तनों से असामान्य स्त्रवण होना (Abnormal secretion)

• स्तन की सममिति परिवर्तित होना (Change in breast symmetry)

• Nipple के चारों ओर पपड़ी बन जाना (Scaly skin)

• बुखार (Fever)

• स्तन में जलन होना (Burning in breast)

• स्तन में खुजली (Pruritus in breast)

• रोगी अपने हाथों से गांठ महसूस कर सकता है

उपचार (Treatment) -

शल्य चिकित्सा अर्थात् मैस्टेक्टॉमी (mastectomy) इस कैंसर का सर्वाधिक उपयुक्त उपाय है, मैस्टेक्टॉमी कई प्रकार की होती है-

Surgery i.e. mastectomy is the most appropriate solution for this cancer, there are many types of mastectomy-

• Lumpectomy

• Partial masetectomy

• Radical mastectomy

• Segmental mastectomy

• Total mastectomy

• Axillary node dissection

अन्य उपचार (Other treatment)

nursingyan.com

• विकिरण चिकित्सा (Radiation therapy)

• कीमोथैरेपी (Chemotherapy)

Q. मेस्टेक्टॉमी या स्तन-उच्छेदन को परिभाषित कीजिए।

Define mastectomy.

उत्तर- मेस्टेक्टॉमी (Mastectomy) -

एक या दोनों स्तनों को शल्य चिकित्सा द्वारा आंशिक या पूरी तरह से हटाने की प्रक्रिया को चिकित्सा विज्ञान की भाषा में मेस्टेक्टॉमी कहा जाता है।

Mastectomy is the medical term for the surgical removal of one or both breasts, partially or completely. A mastectomy is usually carried out to treat breast cancer.

Q. मैस्टेक्टॉमी के पहले एवं बाद की नर्सिंग देखभाल समझाइए।

Describe the pre and post nursing care of mastectomy.

उत्तर- शल्यक्रिया पूर्व देखभाल (Pre-operative care)

1. रोगी की सभी जांचें एकत्रित की जाती हैं एवं इन्हें क्रमानुसार एकत्रित करके रोगी की फाइल बनायी जाती है।

2. रोगी को यदि अन्य कोई रोग हो तो इनका उपचार जारी रहता है जैसे- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अस्थमा आदि।

3. रोगी की घबराहट को कम करने के लिए सर्जरी के लाभ बताने चाहिए एवं रोगी व उसके विधि संरक्षक से लिखित सहमति प्राप्त करनी चाहिए।

4. रोगी के मन में सर्जरी के प्रति शंकाओं को दूर करना चाहिए।

5. रोगी एवं परिचितों को इस ऑपरेशन के करने का कारण संभावित लाभ एवं जटिलताओं के बारे में बताना चाहिए।

nursingyan.com

6. रोगी के जैविक चिन्ह की जांच की जाती है एवं इन्हें nurses record में नोट कर फाइल के साथ रखा जाता है।

7. रोगी को प्लास्टिक व रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी के बारे में बताना चाहिए।

8. रोगी को आवश्यकतानुसार I.V. fluids भी दिए जाते हैं एवं intake-output chart भी maintain किया जाता है।

9. रोगी के सभी गहने, नाखून पॉलिस आदि हटा लिए जाते हैं।

10. रोगी को ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट करने से पूर्व रोगी के सर्जरी स्थल को तैयार किया जाता है।

1. All the tests of the patient are collected and the patient's file is prepared by collecting them in sequence.

2. If the patient has any other diseases, their treatment continues like high blood pressure, diabetes, asthma etc.

3. To reduce the patient's anxiety, the benefits of surgery should be explained and written consent should be obtained from the patient and his legal guardian.

4. Doubts in the patient's mind regarding surgery should be removed.

5. The patient and acquaintances should be told the reason for this operation, the possible benefits and complications.

6. The biological signs of the patient are checked and these are noted in the nurses record and kept with the file.

7. The patient should be told about plastic and reconstructive surgery.

8. Give the patient I.V. as needed. Fluids are also given and intake-output chart is also maintained.

9. All the patient's jewellery, nail polish etc. are removed.

nursingguen.com

10. Before shifting the patient to the operation theatre, the patient's surgery site is prepared.

शल्य क्रिया पश्चात् देखभाल (Post-operative shift)

1. रोगी को receive किया जाता है एवं post-operative order check किया जाता है।

2. रोगी को I.V. fluids infusion जारी रखा जाता है एवं intake-output chart भी maintain किया जाता है।

3. रोगी के जैविक चिन्हों की नियमित monitoring की जाती है।

4. चिकित्सक के आदेशानुसार post-operative medicines provide की जाती हैं जैसे- antibiotics, analgesics, antipyretics, sedatives

5. रोगी की surgical site पर bleeding या hematoma होने के लिए इसका आँकलन करते हैं एवं आवश्यकतानुसार चिकित्सक को सूचित किया जाता है।

6. रोगी को तीव्र दर्द होने पर opoid analgesics दी जानी चाहिए।

7. रोगी के साथ विश्वासपूर्ण nurse patient relation विकसित करना चाहिए।

8. रोगी को अस्पताल से छुट्टी (discharge) करते समय स्वास्थ्य सलाह दी जानी चाहिए जैसे- धूम्रपान बंद करना, मद्यपान छोड़ना, व्यायाम करना, सकारात्मक जीवन शैली जीना, नियमित follow up, सही समय पर दवाएँ लेना इत्यादि।

9. रोगी की सही समय पर ड्रेसिंग करना।

10. रोगी को दर्द से आराम के लिए भुजा को हल्का से ऊपर उठाना चाहिए।

11. रोगी की सभी कुंठाओं व सवालों का धैयपूर्वक उचित जबाव देना चाहिए।

1. The patient is received and the post-operative order is checked.

2. The patient should be given I.V. Fluid infusion is continued and intake-output chart is also maintained.

nursingguan.com

3. Regular monitoring of the patient's biological signs is done.

4. Post-operative medicines are provided as per the doctor's orders such as antibiotics, analgesics, antipyretics, sedatives.

5. The patient is assessed for bleeding or hematoma at the surgical site and the doctor is informed as necessary.

6. Opioid analgesics should be given to the patient in case of severe pain.

7. Trusting nurse patient relation should be developed with the patient.

8. At the time of discharge from the hospital, the patient should be given health advice like stopping smoking, quitting alcohol, exercising, living a positive lifestyle, regular follow up, taking medicines at the right time etc.

9. Dressing the patient at the right time.

10. The patient should raise the arm slightly to get relief from pain.

11. All the patient's frustrations and questions should be answered patiently and appropriately.

Q. स्तन ग्रंथियां क्या हैं? स्तन विकारों की सूची लिखिए।

What is breast glands? List the breast disorders.

उत्तर- स्तन ग्रंथियाँ(breast glands) -

श्वेत ग्रंथियों के ही एक रूप को स्तन ग्रंथियाँ कहते हैं। इसकी उत्पत्ति एक्डोडर्म जनन स्तर (ectoderm reproductive level) से होती है।

प्यूबर्टी की आयु तक इससे 15 से 20 लोब्स विकसित होती हैं। इसका प्रत्येक खण्ड (lobe) एक लेक्टीफेरस नलिका या स्तन ग्रॉथ की वाहिनियाँ (lactiferous duct) में खुलता है।

ये स्तन ग्रंथियां प्रजनन संस्थान की सहायक अंग मानी जाती हैं, क्योंकि ये ग्रंथियां दुग्ध का निर्माण एवं स्राव करती हैं जिससे शिशु का पोषण होता है।

nursingguan.com

स्त्रियों के यौवनारम्भ के समय से इंस्ट्रोजन एवं प्रोजैस्टेरोन हार्मोनों के प्रभाव से मासिक धर्म के दिनों में स्तनों का आकार बढ़ता है एवं गर्भावस्था के समय में स्तनों का आकार और बढ़कर और पूर्ण हो जाता है।

One form of white glands is called mammary glands. Its origin is ectoderm germ layer.(ectoderm reproductive level). By the age of puberty, 15 to 20 lobes develop from it.

Each of its lobes opens into a lactiferous duct or duct of breast growth.

These mammary glands are considered auxiliary organs of the reproductive system, because these glands produce and secrete milk which nourishes the baby.

From the time of puberty of women, due to the influence of estrogen and progesterone hormones, the size of the breasts increases during menstruation and during pregnancy, the size of the breasts increases and becomes complete.

स्तन विकारों की सूची (List of Breast Disorder)

- स्तन कैंसर (Breast Cancer)
- गैलेक्टोरोहिया (Galactorrhoea)
- गायनेकोमेस्टिया (Gynaaecomastia)
- स्तन-पीड़ा (Mastalgia)
- गेलेक्टोसील (Galactocele)
- स्तनशोथ (Mastitis)

Q. स्वयं स्तन निरीक्षण से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with breast self examination (BSE)?

nursingguen.com

उत्तर- ब्रेस्ट सेल्फ एक्जामिनेशन (Breast Self Examination, BSE) -

महिला द्वारा स्तन की असामान्यताओं का पता लगाने के लिए अपने स्तनों का परीक्षण करना ही ब्रेस्ट सेल्फ एक्जामिनेशन कहलाता है।

स्तन कैंसर की शुरुआती अवस्था का पता लगाने के लिए यह परीक्षण महत्वपूर्ण है। इसे प्रत्येक महीने में एक बार जरूर करना चाहिए।

ब्रेस्ट सेल्फ निरीक्षण को निम्न पांच चरणों में पूरा किया जाता है-

Examining one's breasts by a woman to detect breast abnormalities is called breast self examination.

This test is important to detect early stages of breast cancer. This must be done once every month.

Breast self-examination is completed in the following five steps-

1. शीशे के सामने खड़े होकर अपने दोनों हाथों को कूल्हों (hips) पर रखें। अब देखें की स्तन का आकार (size) व रंग (colour) उचित प्रकार है व किसी प्रकार की सूजन (swelling) तो नहीं है। यदि इनमें से कोई भी जटिलता हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं।

2. अब दोनों हाथों को आपस में पकड़कर सिर के ऊपर ले जाएं व इसी प्रकार निरीक्षण करें।

3. शीशे में स्तनों को देखते समय यह भी ध्यान रखें कि एक या दोनों निप्पलों में से किसी भी प्रकार का कोई स्राव (fluid secretion) तो नहीं हो रहा है। यदि स्राव आ रहा हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं।

4. अब लेटी हुई अवस्था में दाएं हाथ की तीन अंगुलियों से बाएं स्तन को कोमलता से छूते हुए चक्कर लगाकर (circular movement) किसी भी प्रकार की lump की उपस्थिति की लिए जांचें। स्तन को दाएं से बांए व ऊपर से नीचे की ओर भी जांचें। इसी प्रकार बाएं हाथ से दाएं स्तन का निरीक्षण करना चाहिए।

nursingguan.com

5. खड़ी हुई अवस्था में भी स्तन को जांचा जाता है। अधिकांश महिलाएं शॉवर (shower) में स्तन को जांचती हैं क्योंकि त्वचा गीली होने से स्तन को अच्छे प्रकार महसूस किया जा सकता है। खड़ी हुई अवस्था में भी स्तन को उसी प्रकार जांचा जाता है जिस प्रकार लेटी हुई अवस्था में।

1. Stand in front of the mirror and place both your hands on your hips. Now see whether the size and color of the breast is proper and there is no swelling of any kind. If any of these complications occur, consult a doctor immediately.

2. Now hold both the hands together and take them above the head and observe in the same manner.

3. While looking at the breasts in the mirror, also keep in mind that there is no fluid secretion of any kind from one or both the nipples. If there is discharge, consult a doctor immediately.

4. Now in the lying position, gently touch the left breast with three fingers of the right hand in a circular movement and check for the presence of any kind of lump. Also examine the breast from right to left and from top to bottom. Similarly, the right breast should be inspected with the left hand.

5. The breast is also examined in the standing position. Most women examine their breasts in the shower because they can be felt better when the skin is wet. Even in the standing position, the breast is examined in the same manner as in the lying position.

Q. मेस्टाइटिस क्या है? इसके कारण, लक्षण व प्रबंधन समझाइए।

nursingguan.com

What is mastitis? Describe its causes, symptoms and management.

उत्तर- मेस्टाइटिस (Mastitis)-

दर्द युक्त स्तन का शोथ (inflammation of breast) मेस्टाइटिस कहलाता है।

मेस्टाइटिस की संभावना दुग्धपान कराने वाली महिलाओं में अधिक होती है।

Painful inflammation of breast is called mastitis. The possibility of mastitis is higher in lactating women.

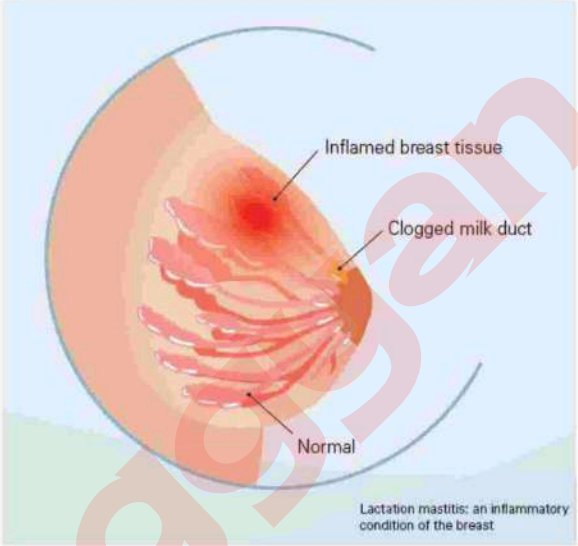

कारण (Causes) - इसके निम्न कारण होते हैं-

It has the following reasons-

- Milk stasis
- स्तन में चोट(breast injury)
- Engorgement
- तंग व कसे हुए कपड़ों से स्तन पर दबाव पड़ना

(Pressure on the breasts due to tight clothing)

- Cracked nipples
- प्रथम बार मां बनना(becoming a mother for the first time)

nursinggyan.com

• staphylococcus aureus बैक्टीरिया

लक्षण (Symptoms)

• स्तन का लाल व सख्त होना(redness and hardening of the breast)

• स्तन पर सूजन(swelling on the breast)

• सिरदर्द (Headache)

• ठंड लगना(feeling cold)

• बुखार(fever)

• तापमान में वृद्धि(increase in temperature)

प्रबंधन (Management) -

1. दर्द हेतु analgesic दें।

2. संक्रमण से बचाव हेतू एन्टिबायोटिक दें जैसे- flucloxacillin

3. बच्चा अच्छी तरह से स्तनपान करे।

4. ढ़ीले कपड़े पहनें।

5. प्रतिदिन कम से कम 8-12 बार स्तनपान कराएं।

6. अलग-अलग स्थितियों में स्तनपान कराएं।

7. पर्याप्त मात्रा में तरल लेने की सलाह दें।

8. पर्याप्त आराम की सलाह दें।

9. यदि बच्चा स्तन को खाली न कर पाए तो हाथ या पम्प से दूध को निकालें।

10. जब बच्चा स्तनपान करे तो हल्के हाथ से स्तन पर मालिश करें।

11. मेस्टाइटिस होने पर स्तनपान बिल्कुल भी बंद न करें।

nursingyan.com

12. दर्द के लिए पेरासीटामोल या आइबोप्रोफेन दें, एस्प्रिन बिल्कुल न दें।

1. Give analgesic for pain.

2. Give antibiotics to prevent infection such as flucloxacillin.

3. The child should be breastfed well.

4. Wear loose clothes.

5. Breastfeed at least 8-12 times daily.

6. Breastfeed in different situations.

7. Advise to take adequate amount of liquid.

8. Advise adequate rest.

9. If the child is not able to empty the breast, then express the milk by hand or pump.

10. When the baby is breastfeeding, massage the breast gently.

11. Do not stop breastfeeding at all in case of mastitis.

12. Give paracetamol or ibuprofen for pain, do not give aspirin at all.

nursingyan.com